GIRLS'HIGH SCHOOL & COLLEGE, PRAYAGRAJ

WORKSHEET - NO -2

SESSION – 2020 – 2021

CLASS – 8th A,B,C,D & E

SUBJECT – HINDI LITERATURE

निर्देश - अभिभावकों से निवेदन है कि दिए गए गद्यांश को ध्यान पूर्वक पढ़कर कठिन शब्दों को समझने और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखने में छात्राओं की सहायता करें।

पाठ – मंत्र

डॉक्टर चड्ढा के केवल दो ही बच्चे थे। बेटी का ब्याह हो चुका था और बेटा 20 साल का था। उसी के सालगिरह की पार्टी थी। शहर के कई रईस और कॉलेज के छात्र आए हुए थे। डॉक्टर साहब का बेटा कैलाश मेहमानों की देखभाल कर रहा था । अचानक मृणालिनी ने कहा-कैलाश, तुम्हारे साँप कहाँ है ? ज़रा मुझे दिखा दो । कैलाश ने कहा-मृणालिनी, इस वक्त क्षमा करो, कल दिखा दूँगा । मृणालिनी ने आग्रह किया-"जी नहीं" तुम्हें दिखलाना पड़ेगा, मैं आज नहीं मानने वाली। तुम रोज़ 'कल-कल ' करते हो। मृणालिनी और कैलाश सहपाठी थे। कैलाश को साँपों को पालने और उनकी आदतों का अध्ययन करने का शौक था। यह विद्या उसने एक सपेरे से सीखी थी। साँपों की जड़ी-बूटियाँ जमा करने का भी उसे मरज़ था। मृणालिनी की ज़िद करने पर एक महाशय ने कहा- दिखा क्यों नहीं देते, ज़रा सी बात के लिए टाल-मटोल कर रहे हो।

कैलाश जोश में आकर पिटारों के पास गया और बीन बजानी शुरू कर दी। फिर एक-एक पिटारे से साँप को निकाल कर अपने गर्दन में लपेटने लगा। एक मित्र ने उसे छेड़ते हुए कहा-"इसके दाँत तोड़ डाले होंगे।"। तब कैलाश ने हँसकर कहा- दाँत नहीं तोड़े गए हैं ।यह कहकर एक काले साँप को पकड़कर बोला- मेरे पास इससे ज़हरीला साँप नहीं है,यह जिसको काट ले उसका दम निकल जाएगा । ऐसा कह कर उसने साँप की गर्दन को ज़ोर से पकड़ा और कहा जिसे शक हो पास में आकर देख ले। जैसे ही कैलाश ने साँप पर से हाथ ढीला किया,साँप ने उसे डस लिया। ज़हर ने अपना असर दिखाया और वह अचेत हो गया। झाड़-फूँक वाले आए लेकिन कोई फ़ायदा नहीं हुआ। भगत ने जब सुना कि डॉक्टर चड्ढा के लड़के को साँप ने काट लिया है तो उसने झाड़- फूँक करने से मना कर दिया लेकिन उसका दिल नहीं माना और इंसानियत के नाते वह डॉक्टर चड्ढा के घर गया। वहाँ पहुँच कर उसने कहारों से पानी भर-भर कर कैलाश के ऊपर डालने को कहा। बूढ़ा भगत मंत्र पढ़ रहा था और मंत्र खत्म होने पर जड़ी सुँघा देता था। आखिर जब उषा की लाल-लाल आँखें खुलीं तो कैलाश ने भी आँखें खोल दीं और पानी पीने को माँगा । उसके बाद भगत बिना बताए ही चला गया। भगत की चारों तरफ तलाश होने लगी। बाद में डॉक्टर साहब को पता चल गया कि यह वही व्यक्ति था, जो एक बार एक मरीज़ को लेकर आया था और मैंने देखने से मना कर दिया था। डॉक्टर साहब ने सोचा कि मैं उसे खोजकर अपने अपराध के लिए क्षमा माँगूँगा ।

शब्दार्थ -

आग्रह - निवेदन **सहपाठी** - साथ पढ़ने वाला **सालगिरह** - वर्षगाँठ

क्षमा - माफी। **अचेत** - बेहोश **खत्म** - समाप्त

मरज़ – लत, लालच **तलाश** - खोज

प्रश्न -1- दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

1- कैलाश ने मृणालिनी की ज़िद को किस प्रकार पूरा किया?

2- साँप दिखाने के दौरान क्या घटना घटी ?

3 - भगत ने डॉक्टर चड्ढा के बेटे को क्यों और कैसे बचाया ?

4 - डॉक्टर साहब के बेटे की उम्र कितनी थी ?

5 - कैलाश की सालगिरह की पार्टी में कौन-कौन आए हुए थे?

6 - कैलाश को ठीक करने वाले सपेरे का नाम क्या था ?

प्रश्न- 2- नीचे लिखे रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

1- कैलाश जोश में आकर ----- के पास गया ।

2 - इंसानियत के नाते वह ------ चड्ढा के घर गया।

3 - यह जिसको काट ले उसका ------- निकल जाएगा।

4 - कहारों से ------- भर-भरकर कैलाश के ऊपर डालने को कहा।

प्रश्न- 3- दिए गए शब्दों का अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

1- मुसीबत 2- सहपाठी

...... **END** ......